www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 03 | जौनपुर, रविवार, 16 अगस्त 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रुपये

संक्षिप्त खबरें

चिनाब नदी में गाड़ी पलटने से पांच लोगों की मौत

जम्मू, (एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में शनिवार को एक गाड़ी के चिनाब नदी में गिर जाने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। पीएमओ में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक्स पर कहा, ष्दच्छन इलाके में हुई सड़क दुर्घटना की रिपोर्ट मिलने के बाद मैंने किश्तवाड़ के डीसी पंकज कुमार शर्मा से बात की। इस दुर्घटना में एक स्कॉर्पियो गाड़ी याइवन में एक गहरी खाई में गिर गई। दुर्भाग्य से, गाड़ी में सवार सभी 5 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।ष्जानकारी के मुताबिक, यह दुर्घटना शनिवार सुबह करीब 10रू30 बजे हुई। गाड़ी दच्छन में टेंडर नाला के पास याइवन में एक गहरी खाई में गिर गई। गाड़ी में सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। अधिकारियों ने अभी तक मृतकों की पहचान का खुलासा नहीं किया है। डोडा, किश्तवाड़, पुंछ, राजौरी, रियासी, रामबन और उधमपुर जैसे पहाड़ी जिले खतरनाक सड़क दुर्घटनाओं के लिए जाने जाते हैं। विशेषज्ञ इन सड़क दुर्घटनाओं के लिए खराब सड़कों, तेज रफ्तार, ओवरलोडिंग, रोड रेज और लापरवाही से गाड़ी चलाने जैसी आदतों को जिम्मेदार मानते हैं।ट्रैफिक विभाग ने ऐसी लापरवाहियों की जांच के लिए अधिकारियों की विशेष टीमें तैनात की हैं। जम्मू और घाटी में आरटीओ अक्सर ऐसे अपराधों के लिए मिलने वाली सजा के बारे में जानकारी देते रहते हैं।

अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर सीएम योगी ने किया नमन, बोले-'राष्ट्र प्रथम' रहा उनके जीवन का मंत्र

लखनऊ, (संवाददाता)। अटल बिहारी वाजपेयी की 8वीं पुण्यतिथि पर राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार सुबह लोकभवन पहुंचे। वहां पर उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित किया। इस मौके पर सीएम ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी का छह दशक का सार्वजनिक जीवन निर्विवाद और निष्कलंक रहा। वह भारतीय राजनीति के अजातशत्रु के रूप में 'राष्ट्र सर्वोपरि' के भाव के साथ निरंतर कार्य करते रहे। सार्वजनिक जीवन की शुरुआत उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में कश्मीर में धारा–370 लगाए जाने के विरोध में सत्याग्रह से प्रारंभ की थी। सीएम ने कहा कि सांसद, विदेश मंत्री, नेता प्रतिपक्ष, जनसंघ व भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रधानमंत्री की अलग–अलग भूमिकाओं में भी उनके लिए सदैव 'राष्ट्र प्रथम' रहा। वह भाजपा के सामान्य कार्यकर्ता से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष, नेता सदन, प्रधानमंत्री समेत किसी भी पद पर रहे हों, जब–जब आवश्यकता पड़ी, उन्होंने दल से ऊपर देश को महत्व दिया। सीएम ने कहा कि कांग्रेस ने जब देश पर इमरजेंसी थोपी थी तो उन्होंने जनसंघ का जनता पार्टी में विलय करते हुए आपातकाल से मुक्ति के आंदोलन में बढ़ चढ़कर भाग लिया था। 1962, 1965, 1971 के युद्ध में उन्होंने सरकार को कटघरे में खड़ा करने की बजाय सरकार के साथ जिम्मेदार सांसद के रूप में खड़े होकर राष्ट्र की सुरक्षा को मजबूती प्रदान करने में अपना योगदान दिया। अटल बिहारी वाजपेयी जितने सहज व सरल थे, उतने ही इरादों के 'अटल' भी थे। कारगिल संघर्ष के दौरान दुनिया ने उनके दृढ़ संकल्प का लोहा माना। उस समय उन्होंने कहा था कि हम पर युद्ध थोपा गया है। इसका हम मुंहतोड़ जवाब देंगे। दुनिया की हर ताकत के सामने झुके बिना उन्होंने भारत को एटॉमिक पावर के रूप में स्थापित किया।

सत्य शांति आनंद महिला कल्याण समिति में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ

देश की उपासना ब्यूरो

प्रयागराज। सत्य शांति आनंद महिला कल्याण समिति में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास, गरिमा एवं देशभक्ति की भावना के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ समिति की अध्यक्ष श्रीमती अनुराधा श्रीवास्तव द्वारा राष्ट्रध्वज फहराकर किया गया। इसके पश्चात उपस्थित सभी सदस्यों ने राष्ट्रगान के साथ राष्ट्र के प्रति अपनी श्रद्धा एवं सम्मान व्यक्त किया। समारोह में देशभक्ति से ओत–प्रोत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। वक्ताओं ने स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानियों के त्याग, संघर्ष एवं बलिदान को स्मरण करते हुए स्वतंत्रता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की सच्ची प्रगति तभी संभव है, जब समाज में शिक्षा, समानता, न्याय, सामाजिक जागरूकता एवं महिला सशक्तिकरण को निरंतर बढ़ावा दिया जाए। इस अवसर पर समिति की अध्यक्ष श्रीमती अनुराधा श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि स्वतंत्रता केवल हमारा अधिकार नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति हमारे कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का भी स्मरण कराती है। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने तथा समाज में जागरूकता और न्याय की भावना को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन अधिवक्ता अभिषेक कुमार श्रीवास्तव, आदर्श श्रीवास्तव एवं जी. आनंद सिंह द्वारा किया गया। वक्ताओं ने सामाजिक समरसता, महिला सम्मान, न्याय एवं राष्ट्रहित के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। समारोह के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्र की एकता एवं अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने, संविधान के मूल्यों का सम्मान करने तथा समाज एवं राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। समारोह का समापन देश के प्रति गौरव, सम्मान एवं समर्पण की भावना के साथ हुआ।

जिले में शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया 80 वां स्वतंत्रता दिवस

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।जिले मे 80 वां स्वतंत्रता दिवस जनपद हर्षोल्लास, राष्ट्रभक्ति और गौरव के वातावरण में शनिवार को मनाया गया। इस मौके पर पुलिस लाइन, महिला थाना,जीआरपी अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन, आरपीएफ अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन सहित जिले के सभी थानों तथा शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र तक स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया।शनिवार को पुलिस लाइन परिसर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में एसएसपी अयोध्या डॉ. गौरव ग्रोवर ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर तिरंगे को सलामी दी।इस दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए राष्ट्र की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प दिलाया गया।एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने पुलिसकर्मियों को संविधान में निहित आदर्शों के अनुरूप भारत को संपूर्ण प्रभुत्व–संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष एवं लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाए रखने, आपसी भाईचारा और बंधुता कायम रखने तथा सभी मतभेदों को शांतिपूर्ण ढंग से दूर करने की शपथ दिलाई।इस मौके पर उन्होंने सराहनीय एवं उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र एवं प्रशंसा चिन्ह प्रदान कर सम्मानित भी किया गया।वही महिला थाना अयोध्या परिसर में थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने तिरंगा फहराकर राष्ट्रध्वज को सलामी दी और पुलिसकर्मियों को संकल्प पत्र पढ़ाया।इस अवसर पर महिला उप निरीक्षक सोनी, महिला उपनिरीक्षक श्वेता राठौड़,महिला उप निरीक्षक प्रिया सहित अन्य महिला पुलिसकर्मी मौजूद रहीं।जनपद के कोतवाली नगर समेत सभी थाना क्षेत्रों में भी स्वतंत्रता दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। जहां पर प्रभारी निरीक्षकों ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर शहीदों को नमन किया तथा पुलिसकर्मियों को राष्ट्र की सेवा और कर्तव्यनिष्ठा का संकल्प दिलाया।वहीं कैंट रेलवे स्टेशन पर जीआरपी थाना प्रभारी अनिल प्रकाश सिंह ने तिरंगा फहराया।कार्यक्रम में जीआरपी के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।इसके अलावा आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक कैंट रेलवे स्टेशन हरीश कुमार शाही ने आरपीएफ अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन कार्यालय पर ध्वजारोहण कर देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन किया।इस मौके पर आरपीएफ महिला उप निरीक्षक रचना यादव सहित अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिलेभर के पुलिस प्रतिष्ठानों में राष्ट्रभक्ति का माहौल देखने को मिला।तिरंगे की शान में पुलिस कर्मियों ने देश की सुरक्षा, कानून–व्यवस्था और आमजन की सेवा के प्रति अपने कर्तव्यों को पूरी निष्ठा से निभाने का संकल्प दोहराया।

शान से लहराया महिला थाना परिसर में तिरंगा झंडा

जिला संवाददाता डॉक्टर अजय तिवारी

अयोध्या।स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर महिला थाना अयोध्या परिसर में थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने तिरंगा फहराकर राष्ट्रध्वज को सलामी दी और पुलिसकर्मियों को संकल्प पत्र पढ़ाया।इस अवसर पर महिला उप निरीक्षक सोनी, महिला उपनिरीक्षक श्वेता राठौड़ महिला उप निरीक्षक प्रिया सहित अन्य महिला पुलिसकर्मी मौजूद रहीं।

चंडीगढ़ में बंदी सिखों की रिहाई को लेकर बवाल

चंडीगढ़, (एजेंसी)। बंदी सिखों की रिहाई की मांग को लेकर चंडीगढ़ में तनाव की स्थिति बन गई। कौमी इंसाफ मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने पंजाब राजभवन की ओर मार्च करने की कोशिश की, जिन्हें रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग की। प्रदर्शनकारियों के आगे बढ़ने और बैरिकेड पार करने की कोशिश के बाद पुलिस ने वॉटर कैनन चलाए और आंसू गैस के गोले छोड़े। प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों की ओर से पुलिस पर पथराव किए जाने की भी खबर है। इसके बाद मौके पर स्थिति और तनावपूर्ण हो गई। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई।कौमी इंसाफ मोर्चा पिछले करीब तीन वर्षों से मोहाली–चंडीगढ़ सीमा के पास बंदी सिखों की रिहाई की मांग को लेकर धरना दे रहा है।

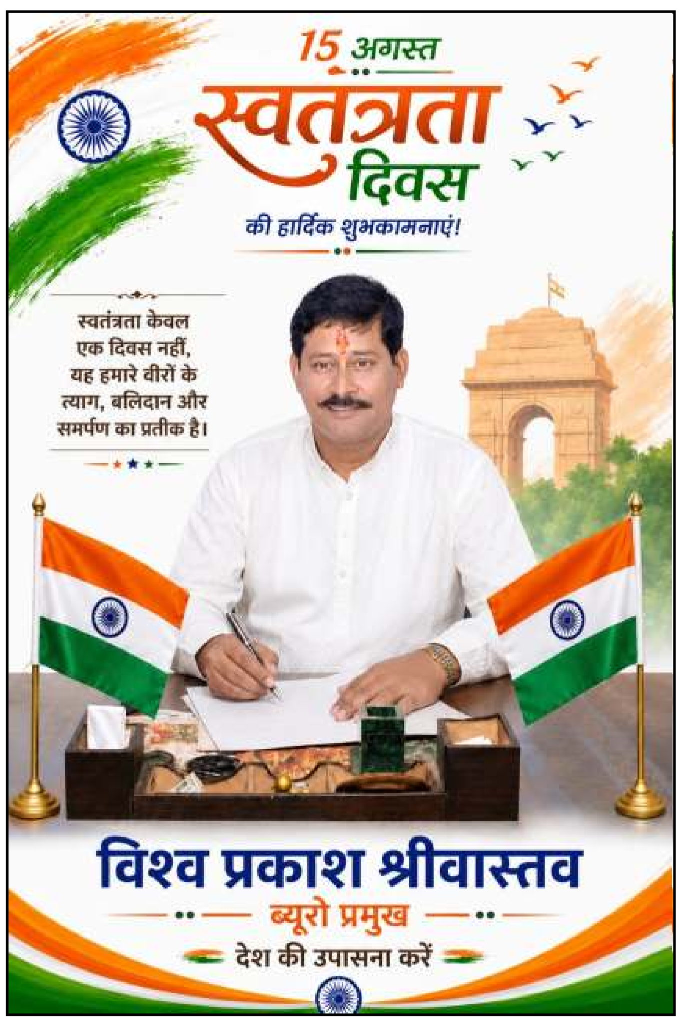

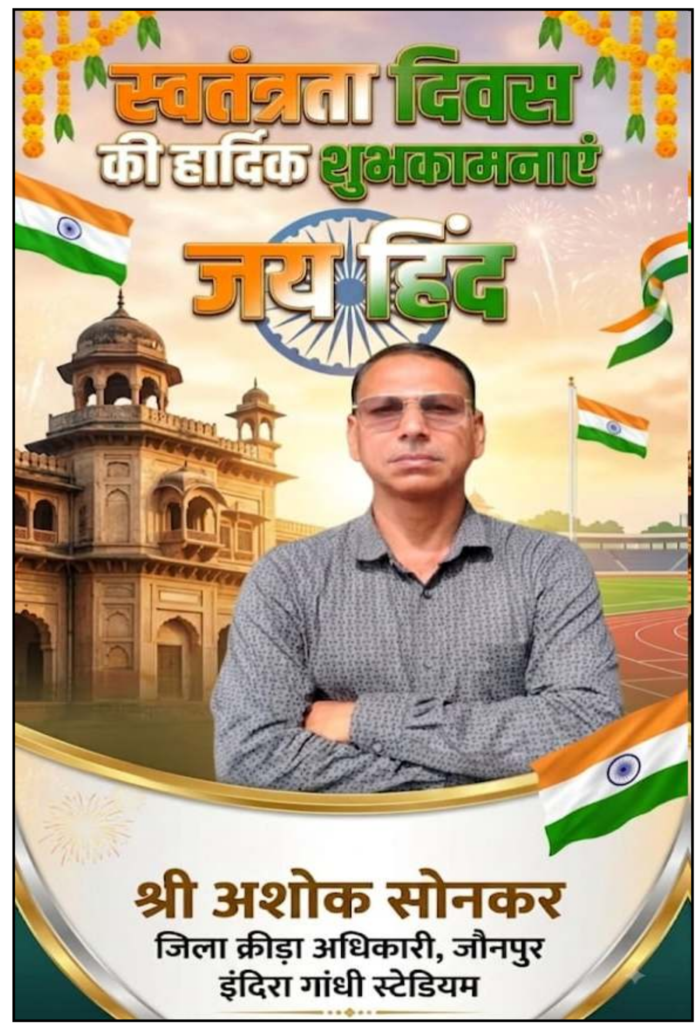

समस्त देश वासियों और जनपद जौनपुर वासियों को स्वतंत्रता दिवस 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

बृजेश कुमार श्रीवास्तव
अध्यक्ष मुन्शी संघ,
सिचाई विभाग उत्तर प्रदेश, जौनपुर

समस्त देशवासियों को 80 वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर,रक्षाबंधन एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएँ

राजीव मेहता
स्टेट हेड यूपी ईस्ट
बिगसेम सीमेंट
(कनोडिया ग्रुप)
मोबाइल - 80518 82299

समस्त देश वासियों को गणतंत्र दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

इंजी . जयप्रकाश
सहायक अभियंता
सिंचाई यांत्रिक विभाग, गाजीपुर

समस्त देश वासियों और जनपद जौनपुर वासियों को स्वतंत्रता दिवस 2026 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाए

डॉक्टर श्रवण कुमार यादव
अधीक्षक, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र
मुफ्तीगंज,जौनपुर
उत्तर प्रदेश

समस्त देश वासियों और जनपद जौनपुर के किसान भाइयों को स्वतंत्रता दिवस 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

इंजिनियर योगेश कुमार
अवर अभियन्ता
,यांत्रिक
सिचाई विभाग उत्तर प्रदेश,
जौनपुर

संपादकीय

ट्रंप का गरम रुख

ईरान होरमुज बंद करने में सक्षम बना हुआ है, इसलिए युदध थमने की उम्मीद जगने के बीच अक्सर ट्रंप का गरम रुख सामने आ जाता है। मगर हालात जल्द ही उन्हें नरम होने पर मजबूर कर देते हैं। डॉनल्ड ट्रंप ईरान को तबाह कर देना चाहते हैं। उनकी ये मंशा हर उस कार्रवाई के बाद उग्र रूप में जाहिर होती है, जब ईरान अमेरिका को ललकारता नजर आता है। लेकिन जब उनके सैन्य सलाहकार बताते हैं कि अमेरिका के लिए नए हमले करना जोखिम भरा है और साथ ही उनकी धमकियों से महंगाई और अमेरिकी बॉन्ड की ब्याज दरें बढ़ने लगती हैं, तो ट्रंप समझौते की दिशा में प्रगति का एलान करते हुए कदम पीछे खींच लेते हैं। जबकि ईरान जल्द ही ऐसी किसी प्रगति का खंडन कर देता है। पिछले 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद कम–से–कम पांच बार ऐसा हुआ, जब ट्रंप ने ईरान को धरती से मिटा देने या उसके बुनियादी ढांचे को नष्ट कर देने का अल्टीमेटम दिया। और हर बार उन्होंने कदम वापस खींचे। इस बीच सहमति–पत्र (एमओयू) पर दस्तखत के जरिए उन्होंने युद्ध के मकड़जाल से निकलने की कोशिश की, लेकिन ईरान ने इसमें भी उनकी मदद नहीं की। ईरान सिर्फ इस शर्त पर युद्ध रोकने को राजी है कि अमेरिका होरमुज जलडमरूमध्य पर उसकी संप्रभुता स्वीकार करे। मगर ऐसा करना ना सिर्फ अमेरिकी, बल्कि लगभग 300 साल से जारी पश्चिमी वर्चस्व के पराभव पर अंतिम मुहर के रूप में देखा जाएगा। इससे संदेश जाएगा कि साझा पश्चिम अब दुनिया भर में मुक्त नौवहन सुनिश्चित कराने में सक्षम नहीं रह गया है। अमेरिका के लिए इस बात को इतनी आसानी से पचा लेना आसान नहीं है। चूंकि ईरान होरमुज और यमन के अंसारुल्लाह (हूती) के जरिए बाब–ए–मंदाब जलमार्गों को बंद करने में सक्षम बना हुआ है, इसलिए हर बार युदध थमने की उम्मीद जगने के तुरंत बाद ट्रंप का गरम रुख सामने आता है और युद्ध तेज होने के संकेत मिलने लगते हैं। मगर परिस्थितियां जल्द ही उन्हें नरम होने पर मजबूर कर देती हैं। फिर वैसा ही हुआ है। फिलहाल, ट्रंप के इस दावे पर यकीन करना कठिन है कि खाड़ी में अमेरिका के सहयोगी देश ईरान के साथ शांति समझौते के किसी फॉर्मूले पर पहुंच गए हैं। इसलिए युद्ध टलने की खबरें फौरी राहत से ज्यादा कुछ नहीं हैं।

विदेशी चंदे पर नियंत्रण और संतुलन की अपेक्षा

ललित

12 अगस्त 2026 का दिन भारतीय संसद के लिए इसलिए महत्वपूर्ण रहा कि विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 यानी एफसीआरए विधेयक को लोकसभा ने 31 सदस्यीय संयुक्त संसदीय समिति– जेपीसी के पास भेज दिया। यह फैसला केवल एक विधेयक को संसदीय प्रक्रिया के अगले चरण में भेजना नहीं है, बल्कि उस व्यापक बहस का अवसर है जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेशी धन की पारदर्शिता, धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं की स्वायत्तता, नागरिक समाज की भूमिका और लोकतांत्रिक अधिकार–सभी एक साथ जुड़े हुए हैं। विधेयक को जेपीसी के पास भेजे जाने से सरकार और विपक्ष के बीच तत्काल टकराव को कुछ हद तक विमर्श में बदलने का अवसर मिला है। एफसीआरए का इतिहास भी इस बहस की गंभीरता को समझने में मदद करता है। विदेशी धन के माध्यम से देश के राजनीतिक और सामाजिक जीवन पर बाहरी प्रभाव की आशंकाओं को देखते हुए 1976 में पहली बार कानून बनाया गया था। वर्ष 2010 में इसे नए एफसीआरए कानून से प्रतिस्थापित किया गया और उसके बाद 2020 सहित विभिन्न चरणों में इसके प्रावधान अधिक कठोर होते गए। आज यह कानून केवल विदेशी चंदे की प्राप्ति और उसके उपयोग का लेखा–जोखा रखने का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़े विमर्श का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। आंकड़े इस विषय की व्यापकता बताते हैं। पीआरएस के अनुसार 15 जुलाई 2026 तक 14,449 एफसीआरए प्रमाणपत्र सक्रिय थे, जबकि 22,498 रद्द और 15,212 समाप्त माने गए। 2019 से 2022 के बीच 13,520 संगठनों को लगभग 55,741 करोड़ रुपये का विदेशी अंशदान मिला। इन आंकड़ों को देखकर यह सवाल स्वाभाविक है कि इतनी बड़ी धनराशि का उपयोग कहां, किस उद्देश्य से और किस स्तर की निगरानी के साथ हुआ? लेकिन इसके साथ दूसरा प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है–क्या किसी संस्था का एफसीआरए पंजीकरण समाप्त हो जाना अपने आप में किसी वित्तीय या आपराधिक अनियमितता का प्रमाण माना जा सकता है? सरकार के अपने स्पष्टीकरण के अनुसार भी पंजीकरण समाप्त होने के कई कारण हो सकते हैं और हर समाप्ति को गलत काम से जोड़ना उचित नहीं है। यहीं से प्रस्तावित संशोधन का सबसे संवेदनशील पक्ष सामने आता है। विधेयक में 'नामित प्राधिकरण' की व्यवस्था प्रस्तावित है। यदि किसी संस्था का एफसीआरए पंजीकरण रद्द हो जाता है, वह स्वयं पंजीकरण छोड़ देती है या उसका प्रमाणपत्र नवीनीकरण न होने के कारण समाप्त हो जाता है, तो विदेशी अंशदान और उससे निर्मित संपत्तियां पहले अस्थायी रूप से इस प्राधिकरण के अधीन आ सकती हैं। यदि निर्धारित अवधि में पंजीकरण बहाल नहीं होता तो संपत्तियां स्थायी रूप से निहित की जा सकती हैं तथा उन्हें सार्वजनिक प्रयोजनों के लिए उपयोग या बेचने का प्रावधान है। बिक्री से प्राप्त राशि और अप्रयुक्त विदेशी अंशदान भारत की समेकित निधि में जमा किए जाने का प्रस्ताव है। भारत में समय–समय पर ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें विदेशी वित्तपोषण के दुरुपयोग, वित्तीय अनियमितताओं अथवा राष्ट्रीय हित से टकराने वाली गतिविधियों को लेकर सवाल उठे हैं। इसलिए एफसीआरए का मूल उद्देश्य–विदेशी अंशदान को पारदर्शी, उत्तरदायी और वैध उद्देश्यों तक सीमित रखना–न तो अनुचित है और न ही लोकतंत्र विरोधी। लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा की आवश्यकता और प्रशासनिक शक्ति के विस्तार के बीच एक स्पष्ट रेखा भी होनी चाहिए। यही इस विधेयक की असली परीक्षा है। यदि किसी संस्था ने विदेशी धन का इस्तेमाल आतंकवाद, हिंसा, अलगाववाद, जबरन या प्रलोभन आधारित धर्मांतरण, राजनीतिक अस्थिरता अथवा भारत की संप्रभुता को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों में किया है, तो उसके विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई होनी चाहिए। राष्ट्रहित में ऐसी कठोरता आवश्यक है। मगर दूसरी ओर यदि कोई संस्था अस्पताल चला रही है, गरीबों के लिए शिक्षा उपलब्ध करा रही है, पर्यावरण संरक्षण कर रही है, महिलाओं और बच्चों के लिए काम कर रही है अथवा प्राकृतिक

आपदा में राहत पहुंचा रही है, तो केवल तकनीकी या प्रक्रियागत चूक के कारण उसके वर्षों के सामाजिक कार्य और विदेशी अंशदान से निर्मित परिसंपत्तियों पर तत्काल सरकारी नियंत्रण स्थापित हो जाना चिंता का विषय बन सकता है। यही कारण है कि जेपीसी के पास जाना इस विधेयक के लिए एक सकारात्मक अवसर है। संसद में बहुमत से कानून पारित करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन जिन कानूनों का प्रभाव हजारों संस्थाओं, लाखों लाभार्थियों और देश के व्यापक नागरिक समाज पर पड़ता हो, उनकी बारीकी से जांच लोकतंत्र को मजबूत करती है। जेपीसी में विपक्ष अपनी आपत्तियां रख सकता है, सरकार अपने तर्क स्पष्ट कर सकती है और विधि विशेषज्ञों, सामाजिक संगठनों, धार्मिक संस्थाओं, वित्तीय विशेषज्ञों तथा सुरक्षा एजेंसियों के अनुभवों को भी सामने लाया जा सकता है। विधेयक में एक महत्वपूर्ण संतुलनकारी प्रावधान यह भी है कि धार्मिक स्थल की धार्मिक प्रकृति को बनाए रखना अनिवार्य होगा। नामित प्राधिकरण किसी ऐसे स्थल को दूसरे उद्देश्य में बदल या उसकी धार्मिक प्रकृति समाप्त नहीं कर सकेगा। इसके अलावा प्रभावित संस्था को 90 दिनों के भीतर पुनरीक्षण का अधिकार और जिला न्यायाधीश के समक्ष अपील का प्रावधान दिया गया है। सरकार ने यह भी बताया है कि पंजीकरण बहाल होने पर अस्थायी रूप से निहित संपत्तियां और अप्रयुक्त धन वापस किए जाएंगे। ये प्रावधान स्वागत योग्य हैं, लेकिन सवाल यह रहेगा कि इन अधिकारों की वास्तविक स्वतंत्रता और प्रक्रिया कितनी प्रभावी होगी। एक और महत्वपूर्ण परिवर्तन नवीनीकरण से जुड़ा है। 2026 के नियमों में पिछले दो वित्तीय वर्षों में कम से कम 10 लाख रुपये विदेशी अंशदान के उपयोग को सक्रिय संस्था की पहचान के रूप में रखा गया है। साथ ही गतिविधि और राज्य–विशिष्ट पंजीकरण तथा अधिक विस्तृत उपयोग संबंधी जानकारी देने की व्यवस्था भी की गई है। यह व्यवस्था निष्क्रिय संस्थाओं पर नियंत्रण के लिए उपयोगी हो सकती है, लेकिन जेपीसी को यह भी देखना होगा कि क्या हर छोटी लेकिन वास्तविक सामाजिक संस्था के लिए 10 लाख रुपये खर्च करना व्यावहारिक मानदंड है। सामाजिक उपयोगिता का मूल्य केवल धनराशि से नहीं किया जा सकता। एफसीआरए की बहस को केवल 'सरकार बनाम विपक्ष' या 'राष्ट्रवाद बनाम नागरिक स्वतंत्रता' के द्वंद्व में सीमित करना भी उचित नहीं होगा। असली प्रश्न इससे कहीं बड़ा है–भारत विदेशी धन को किस तरह स्वीकार करेगा और यह सुनिश्चित कैसे करेगा कि विदेशी संसाधन भारतीय समाज के हित में काम करें, न कि भारत की नीतियों और सामाजिक ताने–बाने को प्रभावित करने का माध्यम बनें? इसी के साथ यह भी तय करना होगा कि सरकार की नियामक शक्ति इतनी व्यापक न हो जाए कि स्वतंत्र सामाजिक संस्थाओं की वैध असहमति भी संदेह की दृष्टि से देखी जाने लगे। भारत जैसे विशाल और विविध लोकतंत्र में नागरिक समाज सरकार का विरोधी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था का सहयोगी अंग है। हजारों गैर–सरकारी संगठन स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास, पर्यावरण, महिला सशक्तीकरण, दिव्यांग कल्याण और आपदा राहत के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण काम कर रहे हैं।

खेल में अपनी प्रतिभा को पहचाने और भविष्य संवारें

तेजबहादुर

एक समय था जब यह माना जाता था कि केवल पढ़ाई–लिखाई ही उज्ज्वल भविष्य और अच्छी नौकरी का मार्ग है। इसी सोच को दर्शाते हुए कहा जाता था– श्पढ़ोगे–लिखोगे बनोगे नवाब, खेलोगे–कूदोगे बनोगे खराब।य लेकिन आज का भारत इस धारणा को पूरी तरह बदल चुका है। इसलिए आज के दौर में यह कहना उचित नहीं होगा कि केवल पढ़ाई–लिखाई ही सफलता का एकमात्र मार्ग है। यदि किसी में खेल के प्रति जुनून, अनुशासन और समर्पण है, तो वह खेलों के माध्यम से भी अपने सपनों को साकार कर सकता है। शिक्षा और खेल, दोनों मिलकर व्यक्तित्व का समग्र विकास करते हैं तथा जीवन में सफलता के नए द्वार खोलते हैं। खेल केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि यह व्यक्तित्व निर्माण, आत्मविश्वास, अनुशासन और सफलता की ऐसी पाठशाला है, जहाँ से भविष्य के विजेता तैयार होते हैं। आज खेलों में करियर की असीम संभावनाएँ हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मान, रोजगार, आर्थिक सुरक्षा और वैश्विक पहचान मिल रही है। ऐसे समय में प्रत्येक युवा के लिए आवश्यक है कि वह अपनी खेल प्रतिभा को पहचाने और उसे सही दिशा देकर अपने भविष्य को संवारे। हर बच्चे के भीतर कोई न कोई विशेष क्षमता होती है। किसी की गति उसे उत्कृष्ट धावक बनाती है तो किसी की फुर्ती कबड्डी, हॉकी, फुटबॉल, क्रिकेट, तीरंदाजी, बैडमिंटन, वॉलीबॉल या अन्य खेलों में सफलता दिला सकती है। यदि प्रतिभा को समय पर प्रशिक्षण और अवसर मिले, तो वही खिलाड़ी प्रदेश और देश का गौरव बनता है। खेलों का सबसे बड़ा योगदान यह है कि वे जीवन के महत्वपूर्ण गुणों का विकास करते हैं। अनुशासन, धैर्य, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना, समय प्रबंधन और संघर्ष का साहस खेल के मैदान में ही सीखा जाता है। यही गुण आगे चलकर जीवन के हर क्षेत्र में सफलता की नींव रखते हैं। छत्तीसगढ़ में खेलों को नया स्वरूप देने की दिशा में राज्य शासन ने उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने, ग्रामीण और जनजातीय अंचलों के युवाओं को अवसर उपलब्ध कराने तथा खेल संस्कृति को मजबूत करने के लिए अनेक पहल की जा रही हैं। प्रदेश में आधुनिक खेल अधोसंरचना का विकास, प्रशिक्षण सुविधाओं का विस्तार, खेल अकादमियों को सुदृढ़ करना तथा विभिन्न स्तरों पर प्रतियोगिताओं का आयोजन इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इसी के साथ ही इस वर्ष से छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय खेलों इंडिया ट्राइबल गेम्स का सफल आयोजन किया गया है। विशेष रूप से बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक जैसी अभिनव पहल ने खेलों को गाँव–गाँव तक पहुँचाया है। इन आयोजनों ने दूरस्थ वनांचलों और जनजातीय क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया है। परंपरागत खेलों के साथ आधुनिक खेलों को भी बढ़ावा देकर हजारों युवाओं, महिलाओं और बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला है। इन प्रतियोगिताओं ने यह साबित किया है कि अवसर मिलने पर ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के खिलाड़ी अब राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचने की क्षमता रखते हैं। इसके साथ ही विद्यालय और महाविद्यालय स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं, ग्रामीण खेल आयोजनों, प्रतिभा खोज कार्यक्रमों तथा प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से नई प्रतिभाओं की पहचान की जा रही है। उत्कृष्ट खिलाड़ियों को प्रोत्साहन, सम्मान और विभिन्न सुविधाएँ उपलब्ध कराकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य स्तर पर कई पुरस्कार प्रदान करती है। जिसमे गुंडाधुर सम्मान शामिल है। यह छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण के तहत दिया जाने वाला सर्वोच्च खेल पुरस्कार है। यह पुरस्कार बस्तर के वीर नायक गुंडाधुर की स्मृति में, खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को दिया जाता है। दूसरा महाराज प्रवीरचंद भंजदेव के नाम पर है। यह पुरस्कार विशेष रूप से तीरंदाजी के खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया जाता है। इसी के साथ छत्तीसगढ़ में खेल प्रोत्साहन योजना भी शुरू की गई है, जिससे युवाओं में खेल का अवसर प्राप्त हो सके। छत्तीसगढ़ के कई ऐसे खिलाड़ी, जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है, जो छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत है। वर्तमान में ज्ञानेश्वरी यादव ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 (ग्लासगो) में महिला 53 किलोग्राम वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया। अमितेश कुजूर ने राष्ट्रमंडल खेल में बेहतरीन प्रदर्शन किया। इसी प्रकार अन्य खिलाड़ियों ने भी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेलों में पदक जीतकर छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। आज खेल केवल खिलाड़ी बनने तक सीमित नहीं हैं।

जेन अल्फा ने उठानी शुरू की हक की आवाज

विजय

देश में जेन जी के बाद अब जेन अल्फा का विरोध–प्रदर्शन और अपने हक के लिए आवाज उठाने का सिलसिला शुरु हो चुका है। मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तराखंड समेत कई राज्यों से तस्वीरें सामने आ रही हैं, जहां खस्ताहाल सरकारी स्कूलों या बुनियादी सुविधाओं की कमी पर बच्चों ने सामने आकर विरोध करना शुरु कर दिया है। गौरतलब है कि 2010 या उसके बाद जन्म लेने वाले बच्चे जनरेशन अल्फा का हिस्सा हैं। ये बच्चे पूरी तरह से इंटरनेट, स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आधुनिक दौर में जन्मे हैं, लिहाजा तकनीकी तौर पर अपनी पिछली पीढ़ियों के मुकाबले ये कहीं ज्यादा सक्षम हैं।भारत में इस पीढ़ी के बच्चों की अनुमानित संख्या 32.7 करोड़ से लेकर 41.7 करोड़ के बीच है। इसका मतलब यह है कि भारत की पूरी आबादी का लगभग 27 प्रतिशत हिस्सा केवल इसी उम्र वर्ग का है। आंकड़े बताते हैं कि 0 से 17 साल की उम्र वाले इन बच्चों की बदौलत भारत लंबे समय तक सबसे युवा आबादी वाला देश बना रहेगा। लेकिन हम खुशहाल, स्वस्थ, शिक्षित युवा देश बनने का गौरव हासिल करेंगे या संघर्षों वाला देश बन कर रह जाएंगे, यह आज का सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक और राजनैतिक माहौल ही तय करेगा।फिलहाल जिस तरह के हालात सामने आ रहे हैं, उनसे जाहिर है कि बच्चों की शिक्षा, पोषण, उनके सर्वांगीण विकास के पैमानों पर सरकार पूरी तरह नाकाम नजर आ रही है। भारत शिक्षा पर अपनी अर्थव्यवस्था का 4.1प्रतिशत खर्च करता है। यह यूनेस्को के तय न्यूनतम 4प्रतिशत मानक से थोड़ा ज्यादा है। लेकिन सरकार के कुल खर्च में शिक्षा की हिस्सेदारी घटकर 14.2प्रतिशत रह गई है। यूनेस्को के मुताबिक यह हिस्सा कम से कम 15प्रतिशत होना चाहिए। 2015 में सरकार के कुल खर्च का 15.7प्रतिशत शिक्षा पर खर्च होता था। लेकिन 11 साल बाद भी यह खर्च बढ़ा नहीं बल्कि कम ही हुआ है, तो यह दिखाता है कि सरकार शिक्षा को लेकर कितनी लापरवाह है।उसकी यह लापरवाही सबसे ज्यादा गरीबों और ग्रामीण बच्चों का भविष्य ही खराब कर रही है। मगर अब यह जेन अल्फा अपने हक की आवाज उठा रही है। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में बीते दिनों स्कूली बच्चों ने खराब और दलदल वाली कच्ची सड़क को पक्का करवाने की मांग को लेकर हाथों में तिरंगा लेकर लगभग 5 से 6 किलोमीटर पैदल मार्च किया और जिलाधीश कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। जिसके बाद प्रशासन को झुकना पड़ा। इसी तरह मध्यप्रदेश के विदिशा में बस किराया बढ़ने पर छात्राओं ने विधायक मुकेश टंडन से जवाब मांगा कि हर दिन 25 रुपए का किराया कैसे दें। छात्राओं ने कहा कि हमारी बड़ी बहनें जो पढ़ने के लिए विदिशा से रायसेन–भोपाल और कई जगहों पर जाती हैं, उन्हें बहुत अधिक किराया देना पड़ता है। हम पहले जो किराया पांच रुपए देते थे वो 25 रुपए हो गया है।ध्यान रहे कि हाल ही में विदिशा के ही ककरौआ गांव का मामला सामने आया, जहां बच्चे अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए हर रोज बेतवा नदी पर बने चेक–डैम के करीब 10 कांक्रीट के खंभों को कूदकर पार करते थे और फिर हाईस्कूल जा पाते थे। इस खतरनाक रास्ते के पार करने का वीडियो सामने आया, खबर छपी तो प्रशासन ने तुरंत संज्ञान लिया और महज एक दिन के भीतर गांव के स्कूल को अपग्रेड कर हाई स्कूल का दर्जा दे दिया। सरकार इस मामले से यह भी जाहिर होता है कि जनहित के लिए लिखी और बनाई गईं खबरें आज भी सरकार को एक्शन लेने पर मजबूर कर सकती हैं। हालांकि अब मीडिया की प्राथमिकताएं भी बदल गई हैं। लेकिन सोशल मीडिया पर काफी हद तक सच्चाई सामने आ जाती है। विदिशा जैसा ही मामला उत्तराखंड के चौबट्टाखाल से सामने आया, जहां बच्चे जान जोखिम में डालकर नदी के रास्ते स्कूल जाने को मजबूर हैं, क्योंकि साल भर पहले बारिश में बह गया पुल आज तक नहीं बना। गांव वालों की मांग पर भाजपा सरकार ने अब तक ध्यान नहीं दिया है। खस्ताहाल स्कूलों से बच्चों की जिंदगी पर संकट मंडराने की घटनाएं भी सामने आई हैं। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के बबलाद गांव में जिला परिषद स्कूल में छत का स्लैब गिरने से 13 छात्र घायल हो गए। इस घटना ने पिछले साल राजस्थान के झालावाड़ जिले के पिपलोदी गांव में हुए हादसे की याद दिलाई, जहां सरकारी स्कूल की जर्जर छत गिरने से सात मासूम बच्चों की मौत हो गई थी। हाल ही में उप्र के पीलीभीत के अमृता खास गांव में श्श्रीबालक राम सरस्वती शिशु मंदिरश में क्लास के ऊपर लगी भारी–भरकम टीन की छत भरभरा कर नीचे आ गिरी, जिसमें बारह बच्चे और 2 शिक्षिकाएं दब गईं। ऐसी घटनाओं के अलावा मध्याह्न भोजन के नाम पर बच्चों को कहीं जले और सूखे चावल तो कहीं रोटी के साथ नमक खिलाने के वीडियो भी सामने आए हैं। मध्याह्न भोजन योजना के पीछे मकसद यही था कि बच्चों को कम से कम एक वक्त पौष्टिक भोजन मिले और वे स्कूल आना न छोड़ें। लेकिन कई सरकारी स्कूलों में बच्चों को याचकों की तरह अपमानित कर भोजन दिया जा रहा है। गांवों के और सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले गरीब बच्चों के साथ यह व्यवहार सभ्य समाज के लिए शर्मिंदगी का सबब होना चाहिए। बच्चों के अलावा दिव्यांग छात्रों के साथ भी अन्याय की खबरें सामने आई हैं। देहरादून के राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान के मॉडल स्कूल में दृष्टिबाधित छात्र एक सप्ताह से आंदोलन कर रहे हैं। छात्रों की मांग है कि पहले मिल रही मेरिट और संस्थागत छात्रवृत्ति को दोबारा शुरू किया जाए, इसके अलावा लैपटॉप उपलब्ध कराने, कैंटीन के खाने की गुणवत्ता सुधारने, प्राथमिक कक्षाओं में ब्रेल शिक्षकों की कमी दूर करने, अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों को समय पर किताबें उपलब्ध कराने और स्किल विषयों के लिए पर्याप्त शिक्षकों की नियुक्ति की भी मांग की जा रही है। उपरोक्त तमाम घटनाएं जाहिर कर रही हैं कि देश में बच्चों का भविष्य कैसे दांव पर लगाया जा रहा है। अच्छी बात यही है कि जेन अल्फा वक्त रहते इंसाफ की मांग करने खड़ी हो चुकी है

समावेशी, पारदर्शी सरकारी खरीद का बेहतरीन प्लेटफॉर्म है जेम

पीयूष गोयल

सरकारी खरीद के लिए सरकार का ई–मार्केटप्लेस (जेम) वैश्विक स्तर पर एक पारदर्शी, समावेशी और कुशल प्लेटफॉर्म के रूप में उभरा है, जो 1.37 लाख सरकारी खरीदारों को 25 लाख विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं से जोड़ता है। जेम प्लेटफार्म की विशेषता है कि यह खरीद से जुड़ी सभी प्रमुख गतिविधियों को एक बड़े डिजिटल मार्केटप्लेस में एकीकृत करता है। यह वैश्विक सर्वोत्तम तौर–तरीकों को सरकार के समावेशी विकास के साथ जोड़ता है, जिससे यह पीएम मोदी के विकासित भारत 2047 के विजन को आगे बढ़ाने वाला इंजन बन जाता है। 2016 में पीएम द्वारा इस परिवर्तनकारी डिजिटल पहल की शुरुआत के एक दशक में, जेम ने भ्रष्टाचार को मिटाकर और स्टार्टअप, एमएसएमई, महिला उद्यमियों और छोटे शहरों के व्यवसायों को बढ़ावा देकर, सरकारी खरीद में क्रांति ला दी है। उपयोगकर्ता–अनुकूल यह प्लेटफॉर्म वास्तव में एक रत्न है, जिसने विवादित आपूर्ति और निपटान महानिदेशालय की जगह ली है, जिसकी प्रणालियाँ अस्पष्ट और गैर–प्रतिस्पर्धी थीं। इससे खरीदारी प्रणाली के केवल कुछ सुविधा–प्राप्त लोगों को ही अनुचित फायदा मिलता था। यह उचित है कि वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय का नया, आधुनिक कार्यालय, वाणिज्य भवन, उसी जमीन पर बना है, जहाँ कभी वह पुरानी और संदिग्ध प्रतिष्ठा वाली संस्था हुआ करती थी। वाणिज्य और उद्योग के मंत्री के रूप में, मुझे गर्व है कि जेम, जिसे 9 अगस्त 2016 को लॉन्च किया गया था, अपनी शानदार सेवा के दस साल पूरे कर रहा है। यह सिर्फ आंकड़ों का जश्न मनाने वाला पड़ाव नहीं हैय बल्कि यह इस बात में एक बुनियादी और सफल बदलाव है कि कैसे सरकारी खरीद देश के निर्माण में योगदान देती है। पारदर्शिता, व्यवसाय करने में आसानी उत्पाद खोजने और बोली लगाने से लेकर अनुबंध देने और भुगतान करने तक, पूरी खरीद प्रक्रिया को डिजिटल बनाकर जेम ने मनमाने फैसलों को खत्म किया है, निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया है और लोगों के भरोसे को मजबूत किया है। हर लेन–देन का एक डिजिटल रिकॉर्ड बनता है जिसकी जांच की जा सकती हैय इससे जवाबदेही बढ़ती है और सरकारी खरीद के प्रति निष्ठा मजबूत होती है। जेम पीएम मोदी के व्यवसाय करने में आसानी मिशन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। एकल डिजिटल विंडो, आसान पंजीकरण, मानकीकृत प्रक्रिया और नियमित नीतिगत सुधार – जैसे अमानत राशि को खत्म करना और लेन–देन शुल्क को युक्तिसंगत बनाना दृ के जरिये जेम ने भागीदार बनने की बाधाओं को काफी हद तक कम किया है, जिससे सरकारी खरीद तक पहुंच आसान हो गयी है। जेम ने आत्मनिर्भरता और स्वदेशी उद्यमों को बढ़ावा देने के लक्ष्य को मजबूती से आगे बढ़ाया है। घरेलू निर्माताओं और सेवा प्रदाताओं को प्राथमिकता देकर, इसने स्थानीय मूल्य श्रृंखलाओं को मजबूत किया है और देशी उत्पादन को प्रोत्साहित किया है। पोर्टल पर दिया गया हर ऑर्डर भारत की निर्माण क्षमता और आर्थिक संप्रभुता में एक निवेश है। खास बात यह है कि जेम में मात्रा के आधार पर लगभग 60त्न ऑर्डर और सकल माल मूल्य (जीएमवी) में 45त्न से ज्यादा की हिस्सेदारी सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) की है। समावेशी सरकारी खरीद जेम, पीएम मोदी के श्सबका साथ, सबका विकासश मिशन के अनुरूप समावेशी विकास का एक महत्वपूर्ण इंजन के रूप में सेवाएं देता है। यह स्टार्टअप्स, छोटे व्यवसायों और महिलाओं द्वारा संचालित उद्यमों को बिना किसी बाधा या मध्यस्थ के सरकारी खरीदारों के सामने अपने उत्पादों और सेवाओं को आसान तरीके से पेश करने का मौका देता है। प्रवेश करने की बाधाओं को खत्म करके और सरकारी खरीद तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाकर, जेम ने पूरे देश के छोटे व्यवसायों को राष्ट्र–निर्माण में सक्रिय भागीदार बनने और उस व्यावसायिक क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए सशक्त बनाया है, जिस पर कभी स्थापित कंपनियों का दबदबा हुआ करता था। जेम के माध्यम से 12 लाख से अधिक सूक्ष्म और लघु उद्यमों ने 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक के सरकारी ऑर्डर पूरे किए हैं। 2.20 लाख से ज्यादा महिला उद्यमियों ने 99,713 करोड़ रुपये से अधिक के ऑर्डर हासिल किए हैं, जबकि 42,000 से अधिक स्टार्टअप्स ने 65,600 करोड़ रुपये से अधिक के ऑर्डर पूरे किए हैं। जेम ने 69,000 से ज्यादा एससी–एसटी उद्यमियों को सरकारी खरीद में भाग लेने का अवसर दिया है, और उन्होंने 23,145 करोड़ रुपये से अधिक के ऑर्डर पूरे किए हैं। ये उपलब्धियाँ इस बात की फिर से पुष्टि करती हैं कि जेम की भूमिका एक डिजिटल खरीद प्लेटफॉर्म से कहीं ज़्यादा है। यह प्लेटफार्म समावेशी विकास, उद्यमिता और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए उत्प्रेरक है, जो सुनिश्चित करता है कि हर योग्य उद्यम को भारत के विकास में योगदान देने का समान अवसर मिले। कई मायनों में, जेम की यात्रा श्विकसित भारत 2047श की आकांक्षाओं को दर्शाती है, जो प्रधानमंत्री के विकसित भारत के विजन के अनुरूप है दृ एक ऐसा भारत जो पारदर्शी, समावेशी, नवोन्वेषी और डिजिटल रूप से संप्रभु हो। हम जेम के दूसरे दशक में प्रवेश कर रहे हैं, हमारा विजन इसे एक स्मार्ट, हरित और विश्व–स्तरीय प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित करना है, जो नई तकनीकों का उपयोग करता है और साथ ही हितधारकों, खासकर हमारे नवोन्मेषियों, स्टार्टअप्स, छोटे कारोबार, महिलाएं, युवा और छोटे शहरों और वंचित वर्गों से आने वाले उद्यमियों की भागीदारी को बढ़ाता है । भारत के सबसे सफल डिजिटल सरकारी खरीद इकोसिस्टम्स में से एक के रूप में, जेम यह दिखाता है कि कैसे तकनीक, डेटा विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उपयोगकर्ता–केंद्रित डिजाइन सार्वजनिक खर्च में गति, दक्षता और पैसों की सही कीमत प्रदान कर सकते हैं। पिछले दो वित्त वर्षों में, इस प्लेटफॉर्म का वार्षिक जीएमवी 5 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है, जिससे इसका कुल मूल्य लगभग 20 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसमें अब 10,644 उत्पाद श्रेणियां और 350 सेवा श्रेणियां शामिल हैं। चाहे वह जीवन रक्षक दवाइयाँ और टीके हों, जो अस्पतालों तक तेजी से पहुँच रहे हैं, रक्षा सामग्री और ड्रोन हों, जो कुशलता से पहुंचाए जा रहे हैं, उच्च गुणवत्ता वाले उपकरण हों, जो कक्षाओं को बदल रहे हैं, या विश्वसनीय अवसंरचना हो, जो गांवों को सशक्त बना रही है – पारदर्शी और कुशल खरीद सार्वजनिक सेवाओं की उच्च गुणवत्ता और संसाधनों का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करती है। इस बदलाव के सच्चे लाभार्थी भारत के नागरिक हैं। आईआईटी दिल्ली के एक अध्ययन (जुलाई–अगस्त, 2026) में पाया गया कि जेम के माध्यम से खरीदारी से पिछले तीन वित्त वर्षों (वित्त वर्ष 2023–24 से 2025–26) में 86,571.69 करोड़ रुपये का आर्थिक लाभ हुआ।

मनीष देव अध्यक्ष और मनीष गुप्ता महासचिव चयनित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जनपद की समस्त मां दुर्गा पूजन समितियों की केंद्रीय कमेटी श्री दुर्गा पूजा महासमिति जौनपुर की 26वीं चयन प्रक्रिया शनिवार को प्रधान कार्यालय नवदुर्गा शिव मंदिर, नखास में संपन्न हुई। अध्यक्ष मनीष देव मंगल की अध्यक्षता में हुई बैठक में संरक्षक मंडल ने सर्वसम्मति से मनीष देव मंगल को अध्यक्ष और मनीष गुप्ता को महासचिव के पद पर एक वर्ष के लिए पुनः चयनित किया।

इससे पूर्व 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अध्यक्ष मनीष देव मंगल ने परंपरागत रूप से ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत के पाठ के साथ स्वतंत्रता संग्राम के महापुरुषों के अमूल्य योगदान को याद किया गया।

आमसभा में दो वर्षीय प्रबंध समिति के कार्यकाल की समाप्ति और उसके भंग होने की पुष्टि की गई। महासमिति की परंपरा के अनुसार चुनाव के बजाय संरक्षक मंडल द्वारा उपस्थित प्रबंधकारिणी के बीच से अध्यक्ष और महासचिव का चयन किया गया। चयन समिति में शोभनाथ आर्य, चंद्र प्रताप सोनी, विंध्याचल सिंह, श्रीकांत माहेश्वरी, संतोष सिंह, राधाकृष्ण ओझा और निखिलेश सिंह शामिल रहे।

चयनित पदाधिकारियों को विभिन्न दुर्गा पूजा समितियों के पदाधिकारियों ने बधाई दी। संरक्षक मंडल ने आगामी दुर्गा पूजनोत्सव को भव्य एवं विराट स्वरूप देने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश और मार्गदर्शन दिया। सदस्यों ने कहा कि महासमिति का स्वर्ण जयंती वर्ष निकट है, जिसकी तैयारियां सभी समितियां मिलकर टीमवर्क के साथ करेंगी।

बैठक में विशिष्ट सदस्य शशांक सिंह रानू और मोतीलाल यादव ने दुर्गा पूजा को भव्य बनाने को लेकर सुझाव दिए। विशिष्ट सदस्य संजय सिंह, अनिल अस्थाना, विनोद यादव, लालचंद निषाद, नीरज सिंह, अनिल साहू, विनय बरौतिया, अतुल सिंह मुन्ना और विवेक सिंह सहित विभिन्न पूजा समितियों के पदाधिकारी मौजूद रहे। इनमें महेश जायसवाल, रत्नेश सिंह, राजन अग्रहरि, विजय गुप्ता, शैलेंद्र मिश्रा, गणेश साहू, सुमित उपाध्याय, संजय मोदनवाल, अमित गुप्ता, विष्णु गुप्ता, रवि शर्मा, मो. शाहिद और अजय गुप्ता प्रमुख रहे।

नवनियुक्त अध्यक्ष मनीष देव ने कहा कि इस वर्ष नवरात्रि दुर्गा पूजनोत्सव को भव्यता और दिव्यता के साथ मनाया जाएगा। मंत्री से मिले आश्वासन के क्रम में विसर्जन शक्ति कुंड के सौंदर्यीकरण और पक्के कुंड के निर्माण का कार्य नवरात्रि से पूर्व कराने का प्रयास किया जाएगा।

बैठक का संचालन महासचिव मनीष गुप्ता ने किया। राम प्रकाश यादव ने सभी अतिथियों, संरक्षकगण, विशिष्ट सदस्यों और प्रबंधकारिणी के प्रति आभार व्यक्त किया। बैठक को सफल बनाने में विवेक जायसवाल, आशीष रावत, रोहित सिन्हा, प्रिंस तनेजा, ज्ञानेंद्र दुबे एडवोकेट, दीपक श्रीवास्तव, लालता सोनकर, चंदन यादव, सर्वेश यादव, कृष्णा सोनी, महेंद्र अग्रहरि और पंचम मौर्य का विशेष सहयोग रहा।

उक्त जानकारी महासमिति के मीडिया प्रभारी दीपक श्रीवास्तव ने दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत एक ताकतवर देश के रूप में उभरा है - गिरीश चंद्र यादव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में शनिवार को 80वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन ने सुबह 8 बजे ध्वजारोहण किया। इसके बाद राष्ट्रध्वज को सलामी दी गई और राष्ट्रगान हुआ। जिलाधिकारी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पंचप्रण के तहत देश की एकता और अखंडता के लिए सदैव प्रयासरत रहने तथा राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों और दायित्वों का निष्ठापूर्वक पालन करने की शपथ दिलाई।

जिलाधिकारी ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और वीर शहीदों को नमन करते हुए कहा कि देश को आजादी अनेक बलिदानों और संघर्षों के बाद मिली है। स्वतंत्रता दिवस हमें अपने राष्ट्रीय कर्तव्यों की याद दिलाता है। देश की प्रगति के लिए सभी को ईमानदारी, निष्ठा और एकजुटता के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के सिद्धांतों के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए 'हर घर तिरंगा' अभियान के सफल आयोजन पर बधाई दी।

इस दौरान जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट परिसर में नीम का पौधा रोपित किया तथा रंगोली बनाने वाली जनक कुमारी इंटर कॉलेज की छात्राओं को सम्मानित किया। इसी क्रम में पुलिस लाइन में भी स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन हुआ। एसएसपी कुंवर अनुपम सिंह ने क्वार्टर गार्ड पर ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। समारोह में खेलकूद एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने भी ध्वजारोहण किया। अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई।इस अवसर पर

राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि महात्मा गांधी के नेतृत्व में देशवासियों ने आजादी के लिए लंबा संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत एक ताकतवर देश के रूप में उभरा है और शिक्षा, चिकित्सा समेत विभिन्न क्षेत्रों में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन और आयुष्मान भारत जैसी केंद्र सरकार की योजनाओं का भी उल्लेख किया।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिलेभर में विभिन्न सरकारी कार्यालयों, शिक्षण संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर ध्वजारोहण, सांस्कृतिक कार्यक्रम और देशभक्ति से जुड़े आयोजन किए गए। पूरे जनपद में दिनभर देशभक्ति का माहौल बना रह। कार्यक्रम में मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, अपर जिलाधिकारी परमानंद झा सहित अन्य अधिकारियों ने स्वतंत्रता संग्राम और वीर शहीदों के बलिदान को याद किया।

श्री दुर्गा पूजा महासमिति की आमसभा की बैठक 15 अगस्त को

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जौनपुर श्री दुर्गा पूजा महासमिति की आमसभा की बैठक 15 अगस्त, शनिवार को केंद्रीय कार्यालय नवदुर्गा मंदिर पर आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता महासमिति के अध्यक्ष मनीष देव करेंगे महासचिव मनीष गुप्ता बैठक का संचालन करेंगे। अध्यक्ष ने श्री दुर्गा पूजा मा समिति से जुड़े सभी दुर्गा पूजा समितियो से उक्त बैठक में सम्मिलित होने का आग्रह किया है बैठक सुबह 11रू30 बजे से प्रारंभ होगी महासमिति के मीडिया प्रभारी दीपक श्रीवास्तव ने बताया कि 15 अगस्त के पावन अवसर पर सबसे पहले केंद्रीय कार्यालय परिसर में ध्वजारोहण किया जाएगा। इसके बाद आमसभा की बैठक आयोजित होगी। बैठक में महासमिति के सभी संरक्षक, विशिष्ट सदस्य और अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। बैठक में दुर्गा पूजा से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा किए जाने की संभावना है। इस संबंध में संस्था के मीडिया प्रभारी दीपक श्रीवास्तव ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी दी।

डॉ. एल.पी. लाल कॉलेज में 600 विद्यार्थियों ने निकाली तिरंगा यात्रा

लखनऊ। भिटौली, सीतापुर रोड स्थित डॉ. एल.पी. लाल मेमोरियल कॉलेज में स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा यात्रा–2026 निकाली गई। करीब 600 विद्यार्थियों ने तिरंगा लेकर भारत माता की जय, वंदे मातरम् और जय हिंद के नारे लगाए। निदेशक एस.एन. श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों से संविधान, राष्ट्रीय ध्वज और देश की एकता–अखंडता के सम्मान का आह्वान किया।

इस दौरान सत्र 2025–26 के विजेता लिंकन हाउस और टैगोर हाउस को रनिंग शील्ड प्रदान की गई। डॉ. देवाशीष, डॉ. हर्षी, इंजीनियर गौरव और इंडियन ओवरसीज बैंक की प्रबंधक श्रीमती स्वाति श्रीवास्तव ने पुरस्कार दिए। बेस्ट हाउस टीचर्स सुष्मिता मिश्रा, श्वेता सिंह, शिवम मिश्रा, प्रदीप कुमार, प्रियंका पांडे, शिल्पी बाजपेई, रितिका राय, सुखबीर सिंह, कुसुम सिंह और गरिमा श्रीवास्तव को भी सम्मानित किया गया। 30 सर्वश्रेष्ठ वालंटियर्स को प्रबंधिका श्रीमती प्रतिमा श्रीवास्तव ने पुरस्कार प्रदान किए। प्रधानाचार्य सुखबीर सिंह ने तिरंगे को देश की एकता और गौरव का प्रतीक बताया।

ईमानदारी और निष्ठा से हीं पूरा होगा विकसित भारत का सपना - प्रो. वंदना सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में शनिवार को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने मुक्तांगन परिसर में ध्वजारोहण किया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर तिरंगे के रंग में रंगा रहा।

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हम सबके लिए अत्यंत गौरव और सम्मान का दिन है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद और भगवान बुद्ध को याद करते हुए कहा कि हमें ऐसे विद्यार्थी का सृजन करना है जो अनुसंधान, आधुनिक तकनीक, नैतिकता के साथ दृ साथ सांस्कृतिक मूल्यों को भी रक्षा करें। साथ ही समाज के भी काम आएं तभी हम प्रधानमंत्री के विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा कर सकेंगे।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमारे लिए पर्व या समारोह ही नहीं आत्ममंथन का भी दिन है। आज हमें यह विचार करना होगा कि जिस देश के लिए हमारे पूर्वजों ने अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया, उनके सपनों को पूरा करने के लिए हम ईमानदारी, निष्ठा के साथ काम करने का संकल्प लें। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कहा के हमें अपने अधिकार के साथ–साथ कर्तव्यों पर भी विशेष ध्यान देने की जरूरत है। इसके बाद कुलपति ने नशामुक्ति के लिए उपस्थित लोगों को शपथ दिलाई। इसके बाद नोडल अधिकारी डॉ. मनोज पांडेय ने नशामुक्त युवा फार विकसित भारत के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाया। इस अवसर पर एनसीसी के कैडटो ने गाड आफ आनर दिया। समारोह का संचालन डॉ. राजेश सिंह ने किया। इसके बाद कर्मचारी संघ के दफ्तर के महाराणा प्रताप द्वार का आनलाइन लोकार्पण कुलपति जी ने किया। कुलपति सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के डॉ. रसिकेश ने देश भक्ति पर गीत सुनाया। इस अवसर पर प्रो.अविनाश डी. पाथर्डीकर, प्रोफेसर अजय प्रताप सिंह, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. राज कुमार, प्रो. संदीप सिंह, प्रो. गिरधर मिश्र. प्रो मिथिलेश सिंह, डा. रसिकेश, डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. चंदन सिंह, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ. मनोज पांडेय, उप कुलसचिव समेत समस्त संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष शिक्षक, कर्मचारी और छात्र मौजूद थे।

बदलापुर में निकली भव्य कांवड़ यात्रा, विधायक रमेश मिश्रा ने उठाई जिला बनाने की मांग

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,।यूपी के जौनपुर में सावन माह के पावन अवसर पर रविवार को बदलापुर विधानसभा क्षेत्र में दो दिवसीय विशाल शिव कांवड़ यात्रा का शुभारंभ हुआ। बदलापुर विधायक रमेश चंद्र मिश्रा के नेतृत्व में निकली यात्रा में सुबह से ही बड़ी संख्या में कांवड़िये शामिल हुए। यात्रा को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल रहा। कांवड़ यात्रा की शुरुआत छंगापुर स्थित चौरेश्वर महादेव धाम के पास आदि गंगा गोमती तट से हुई। श्रद्धालुओं ने गोमती नदी में स्नान कर पवित्र जल भरा और भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए यात्रा शुरू की। यात्रा विभिन्न गांवों और बाजारों से होते हुए दूसरे दिन 17 अगस्त को करसूलनाथ धाम, कंधी स्थित सई नदी तट पर पहुंचेगी। पहले दिन यात्रा गगना मोड़, छंगापुर नहर चौराहा, लेदुका, प्राणपति बाजार, भगतपुर, बीरमपुर, बदलापुर खुर्द, चकमोलनापुर, हिम्मतपुर, मिरसादपुर और कलिंजरा मोड़ समेत 17 स्वागत स्थलों से होकर गुजरी । दूसरे दिन सोमवार को शाम चार बजे कलिंजरा मोड़ से यात्रा दोबारा शुरू होगी। इसके बाद कलिंजरा बाजार, बनगांव मोड़, सदाशिव मंदिर सरौली, तेजीबाजार चौराहा, मरगूपुर और कंधी चौराहा होते हुए कांवड़िये करसूलनाथ धाम पहुंचेंगे। यहां भगवान शिव का जलाभिषेक व रुद्राभिषेक, सई नदी की आरती और महाप्रसाद का आयोजन किया जाएगा। यात्रा के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए विधायक रमेश चंद्र मिश्रा ने बदलापुर को जिला बनाने की मांग को लेकर भी जोरदार बात रखी। उन्होंने कहा कि यह किसी व्यक्ति विशेष की कांवड़ यात्रा नहीं, बल्कि बदलापुर, जौनपुर और पूरे प्रदेश देश और विश्व कल्याण के कामना के साथ निकाली जा रही है। विधायक ने रामचरितमानस की चौपाई "सई उतरि गोमती नहाए, चौथे दिवस अवधपुर आए" का उल्लेख करते हुए कहा कि बदलापुर का ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व रामायण काल से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम और भरत के इस क्षेत्र से होकर गुजरने की मान्यता है तथा बदलापुर में गोमती और सई जैसी दो महत्वपूर्ण नदियां हैं। रमेश चंद्र मिश्रा ने कहा कि बदलापुर को जिला बनाने की मांग लगातार उठाई जा रही है। उन्होंने दावा किया कि परिसीमन के बाद बदलापुर निश्चित रूप से जिला बनेगा और इसे कोई रोक नहीं सकता। उन्होंने कहा कि बदलापुर को प्रदेश की नंबर–1 विधानसभा बनाने के संकल्प के साथ भी यह यात्रा निकाली जा रही है। कांवड़ यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी से पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा।

नगराम पुलिस ने 78 किलो गांजे के साथ दो तस्करों को दबोचा

लखनऊ, (संवाददाता)। नगराम पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरजनपदीय गांजा तस्करी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से छह बोरियों में रखा कुल 78.330 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 16 लाख रुपये बताई गई है। तस्करी में इस्तेमाल ईको स्पोर्ट कार, 12,500 रुपये नकद और करीब 2.30 लाख रुपये कीमत के दो आईफोन भी बरामद हुए हैं।पुलिस के मुताबिक 13 अगस्त को नगराम पुलिस नगराम–गंगागंज मार्ग स्थित हुसैनाबाद तिराहे पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने काले रंग की ईको स्पोर्ट कार को रोककर तलाशी ली। वाहन में सवार प्रिंस जायसवाल पुत्र रामप्रकाश जायसवाल, निवासी ग्राम समेसी, थाना नगराम और अभिजीत पटेल उर्फ सेना पुत्र काशीप्रसाद, निवासी भाटन टोला, कस्बा व थाना नगराम को हिरासत में लिया गया। वाहन की तलाशी में छह बोरियों से 78.330 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ।पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उनका गिरोह बहराइच से गांजा लाकर लखनऊ, रायबरेली, बाराबंकी और आसपास के जिलों में सप्लाई करता था। गिरोह के अन्य सदस्य अलग–अलग क्षेत्रों में गांजे की खपत और बिक्री करते थे। आरोपियों ने बताया कि इस अवैध कारोबार से होने वाले मुनाफे को आपस में बांटकर खर्च किया जाता था। पुलिस के अनुसार गांजा तस्करी से अर्जित रकम से ही दोनों ने महंगे आईफोन भी खरीदे थे।आरोपी प्रिंस जायसवाल ने पूछताछ में बताया कि उसने ईको स्पोर्ट वाहन गांजे की तस्करी के लिए ही खरीदा था ।

राष्ट्रीय सनातन संघ के प्रभारी बने संदीप श्रीवास्तव, कार्यकर्ताओं में खुशी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। राष्ट्रीय सनातन संघ ने संदीप श्रीवास्तव को संगठन का प्रभारी नियुक्त किया है। नई जिम्मेदारी मिलने पर संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। कार्यकर्ताओं ने संदीप श्रीवास्तव को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में संगठन को और मजबूती मिलेगी। इसी क्रम में 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सनातन संघ के कार्यालय पर भव्य ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय प्रवक्ता योगेश श्रीवास्तव मुख्य अतिथि और राष्ट्रीय महासचिव अजय कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रध्वज फहराने और राष्ट्रगान के साथ हुआ। तिरंगा फहराते ही परिसर भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयघोष से गूंज उठा। उपस्थित लोगों ने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों और अमर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस दौरान मुख्य अतिथि योगेश श्रीवास्तव और विशिष्ट अतिथि अजय कुमार का माला पहनाकर एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यकर्ताओं ने दोनों अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्य अतिथि योगेश श्रीवास्तव ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश की आजादी वीर स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, संघर्ष और बलिदान का परिणाम है। उन्होंने सभी से राष्ट्र की एकता, अखंडता और गौरव को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य करने का आह्वान किया। राष्ट्रीय महासचिव अजय कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय सनातन संघ राष्ट्रहित, समाजसेवा और सनातन संस्कृति के संरक्षण के लिए लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत बनाने और समाजहित के कार्यों में बढ़–चढ़कर भाग लेने की अपील की। नवनियुक्त प्रभारी संदीप श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि संगठन ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर राष्ट्रहित और समाजहित में निरंतर कार्य करना उनकी प्राथमिकता होगी। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सनातन संस्कृति के संरक्षण के साथ समाजसेवा को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। सभी ने एक–दूसरे को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए देश की सुख–समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कहीं मॉल तो कहीं होटल, सरकारी विभागों का भी कब्जा, अरबों रुपये की संपत्ति से मोटी कमाई

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की अधिकतर शत्रु संपत्तियां अवैध कब्जों में फंसी हुई हैं। एनसीआर से पूर्वांचल तक अरबों रुपये की संपत्तियों पर कब्जा कर मोटी कमाई की जा रही है। एनसीआर के कई जिलों में मॉल, होटल तक बन गए हैं। कई सरकारी विभाग भी इन संपत्तियों पर कब्जा कर इनका इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसी संपत्तियों को खाली कराना शत्रु संपत्ति अभिरक्षा कार्यालय के लिए बड़ी चुनौती है। लखनऊ अभिरक्षा कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार, यूपी उत्तराखंड में करीब 5600 शत्रु संपत्तियां हैं। इनमें से लगभग 70 संपत्तियां उत्तराखंड में हैं, बाकी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में हैं। कार्यालय लगातार अपनी संपत्तियों का चिह्नीकरण और वर्तमान स्थिति का सत्यापन करवाता रहता है। सूत्रों के मुताबिक, सत्यापन रिपोर्ट से खुलासा हुआ कि गाजियाबाद और नोएडा की शत्रु संपत्तियों पर मॉल बन चुके हैं। यहीं पर तीन होटल भी चल रहे हैं। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में हाईराइज बिल्डिंगों का निर्माण भी किया गया है। इन पर कब्जा करने वाले काफी शक्तिशाली लोग हैं। उनकी पहुंच प्रदेश और केंद्र सरकार के बड़े नेताओं तक है। अभिरक्षा कार्यालय से पहले इनको नोटिस भेजे गए और फिर मामला कोर्ट में चला गया। जहां केस चल रहा है। राजधानी के दुबग्गा में पूरी बस्ती शत्रु संपत्ति पर बसा दी गई है। वहीं सरोजनीनगर समेत अन्य कई इलाकों में अरबों रुपये की शत्रु संपत्तियों पर कब्जे हैं। प्रदेश में तमाम संपत्तियों पर लोग खेती भी कर रहे हैं। संबंधित जिला प्रशासन उनको नोटिस भेजकर खाली करने का निर्देश दे रहे हैं। अभिरक्षा कार्यालय की तरफ से कार्रवाई भी शुरू हो चुकी है। लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में दो नामी बिल्डरों ने करोड़ों की शत्रु संपत्ति अपने प्रोजेक्ट में शामिल कर ली थी। बीते पांच–छह महीने से मामला चल रहा था। कुछ दिन पहले ही इन संपत्तियों को कब्जा मुक्त कराया गया है। इसी तरह से बदायूं में अजन्ता होटल भी सील किया गया है जो शत्रु संपत्ति पर कब्जा कर बनाया गया था। प्राधिकरण ने ही बसा दी कॉलोनीरू इन हाईराइज बिल्डिंगों में से कुछ का इस्तेमाल वाणिज्यिक और कुछ का आवासीय हो रहा है। सूत्रों के अनुसार इलाहाबाद विकास प्राधिकरण ने भी कुछ शत्रु संपत्तियों पर कॉलोनी बनाई है।

प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना ने चार वार्डों का किया निरीक्षण

लखनऊ, (संवाददाता)। शहर को स्वच्छ, सुंदर और बेहतर बनाने के उद्देश्य से वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा लखनऊ के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना ने महापौर सुषमा खर्कवाल के साथ नगर निगम के चार वार्डों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान स्वच्छता व्यवस्था, डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन, नालियों की सफाई और जल निकासी की स्थिति का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान जहां व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलीं, वहीं सुधार की जरूरत वाले क्षेत्रों में अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए। नगर आयुक्त गौरव कुमार, अपर नगर आयुक्त, मुख्य अभियंता, जोनल अधिकारी सहित नगर निगम के अधिकारी मौजूद रहे।निरीक्षण की शुरुआत जोन–3 के अयोध्या दास द्वितीय वार्ड से हुई। यहां सफाई व्यवस्था संतोषजनक मिली और डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन भी नियमित रूप से होता पाया गया। हालांकि नालियों की सफाई को और बेहतर बनाने के लिए प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को नियमित रूप से सफाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।इसके बाद फैजुल्लागंज द्वितीय वार्ड में स्वच्छता और जल निकासी व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। यहां प्रभारी मंत्री ने क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित प्लास्टिक फैक्ट्री के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों को जलभराव और जल निकासी की समस्या से राहत दिलाना प्राथमिकता होनी चाहिए।?

पदयात्रा में गूंजा वंदे मातरम

लखनऊ, (संवाददाता)। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की ओर से बृहस्पतिवार को वंदे मातरम पदयात्रा निकाली गई। हजरतगंज चौराहे से शुरू हुई यह यात्रा परिवर्तन चौक पहुंचकर संपन्न हुई। इस दौरान विभिन्न स्कूलों के बच्चे हाथों में तिरंगा लिए वंदे मातरम गाते हुए।

रिहर्सल में दिखा 15 अगस्त वाला जोश

लखनऊ, (संवाददाता)। स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह से पहले बृहस्पतिवार को विधानभवन के सामने 15 अगस्त का जश्न साकार हो उठा। सुबह 8रू15 बजे शुरू हुए रिहर्सल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के डमी काफिले के पहुंचने से लेकर ध्वजारोहण, सलामी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों तक पूरे कार्यक्रम को हूबहू दोहराया गया। मुख्यमंत्री के डमी की भूमिका एसडीएम मलिहाबाद मनोज सिंह ने निभाई। निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत उन्होंने ध्वजारोहण किया। इसके बाद सुरक्षा बलों ने तिरंगे को सलामी दी। तिरंगा लहराते ही स्कूली बच्चों के वंदे मातरम और देशभक्ति के गीतों से विधानभवन के सामने का माहौल देशभक्ति से सराबोर हो गया।

प्राथमिक शिक्षकों के लिए खुशखबरी, हाईकोर्ट से शिक्षकों के अंतरजनपदीय तबादले का रास्ता हुआ साफ

लखनऊ, (संवाददाता)। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ के आदेश से प्राथमिक शिक्षकों की अंतरजनपदीय तबादला नीति का रास्ता साफ हो गया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षक अपनी पसंद के किसी विशेष स्कूल में तैनाती का दावा नहीं कर सकते हैं। अदालत ने कहा कि तबादला नीति के तहत शिक्षक के आवेदन पर जिला स्तर पर विचार किया जाएगा। पर, शिक्षक को किसी खास विद्यालय में नियुक्ति का अधिकार नहीं है। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की एकल पीठ ने ऋषी कटियार सहित तीन शिक्षकों की याचिकाएं खारिज कर दी। शिक्षकों ने याचिका में 22 जून 2026 के शासनादेश के तहत तबादलों के लिए निर्धारित जिलेवार छात्र–शिक्षक अनुपात (पीटीआर) को चुनौती दी थी।

खण्ड शिक्षा अधिकारी श्याम बिहारी की उपस्थिति में शिक्षामित्र संतराम को शिक्षक परिवार ने दी भावुक विदाई

सुल्तानपुर। सेवा का समापन संबंधों का अंत नहीं, बल्कि जीवन की एक नई यात्रा का आरम्भ होता है। इसी प्रेरणादायी भाव के साथ प्राथमिक विद्यालय चूरिहारन, बल्दीराय में कार्यरत रहे सेवानिवृत्त शिक्षामित्र संतराम जी के सम्मान में शिक्षक परिवार बल्दीराय द्वारा आत्मीय विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। संतराम जी 2 जून 2026 को शिक्षामित्र पद सेवानिवृत्त हुए। शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान और विद्यालय परिवार के प्रति समर्पण को याद करते हुए शिक्षक परिवार बल्दीराय ने उन्हें सेवानिवृत्ति पर सहयोग राशि लगभग ध्1,20,000 (एक लाख बीस हजार रुपये) प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी श्याम बिहारी जी ने शिक्षक परिवार की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सेवानिवृत्त साथी के प्रति ऐसा आत्मीय सहयोग और सम्मान मानवीय संवेदना, शिक्षक एकता और सामाजिक सरोकार का अनुपम उदाहरण है। इससे समाज में सकारात्मक संदेश जाता है और सेवानिवृत्त साथी को यह विश्वास मिलता है कि सेवा के उपरान्त भी उनका शिक्षक परिवार उनके साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल कक्षा में शिक्षा नहीं देता, बल्कि समाज में संस्कार, संवेदना और सहयोग की भावना को भी सुदृढ़ करता है। संतराम जी को मिला यह सम्मान इसी भावना का प्रतीक है। कार्यक्रम में प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ के जिला महामंत्री पवन कुमार एवं ब्लॉक महामंत्री राजदेव यादव उपस्थित रहे। दोनों ने शिक्षक एकता और आपसी सहयोग को और मजबूत करने पर जोर दिया। प्राथमिक विद्यालय पूरे चूरिहारन के प्रधानाध्यापक दिनेश कुमार ने समारोह में उपस्थित समस्त शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक एवं संगठन पदाधिकारियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। शिक्षक परिवार का यह अपनापन संतराम जी के लिए सदैव स्मरणीय रहेगा। कार्यक्रम का सफल संचालन रमेश कुमार ने किया। समारोह में ब्लॉक के बड़ी संख्या में सम्मानित शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक एवं विभिन्न शिक्षक संगठनों के पदाधिकारी शामिल हुए। इस अवसर पर राजीव तिवारी, वेद प्रताप सिंह, राजबख्श मौर्य, सत्येंद्र कुमार मिश्र, संदीप पाण्डेय, जितेन्द्र बहादुर सिंह, विपिन सिंह, अखिलेश सिंह, नन्द लाल वर्मा, प्रतिभा सिंह, गंगा प्रसाद, आलोक श्रीवास्तव, हीरा लाल यादव, कंचन त्रिपाठी, स्वामीनाथ, रामशंकर मिश्रा, उदय प्रताप यादव, राजकुमार, राम बरन प्रजापति, वीरेन्द्र कुमार यादव, बेचूलाल, घनश्याम, रेनू शुक्ला, रामचन्द्र, आलोक श्रीवास्तव, शिवकुमार वर्मा, राजेश कुमार यादव, रमेश कुमार, महेश चन्द, तस्लीमुन निशा, राकेश कुमार शुक्ला, विजय कुमार पाठक, ह्दय लाल, अतरसेन यादव, हरि प्रसाद, अयोध्या प्रसाद आदि शिक्षक परिवार बल्दीराय के साथी उपस्थित रहे। समारोह के अंत में सभी ने सेवानिवृत्त शिक्षामित्र संतराम जी के स्वस्थ, सुखमय एवं सम्मानपूर्ण जीवन की मंगलकामना की। शिक्षक परिवार का यह आत्मीय सहयोग केवल विदाई नहीं, अपितु अपने साथी के प्रति सम्मान, संवेदना और साथ निभाने की एक प्रेरणादायक मिसाल है।

पुरानी रंजिश को लेकर हसिये से हाथ काटने व छिपाने के आरोप में गोसाईगंज पुलिस ने किया तीन आरोपियों को गिरफ्तार

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।गोसाईगंज पुलिस ने पुरानी रंजिश को लेकर हाथ काटने व छिपाने के आरोप में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक थाना गोसाईगंज अभिमन्यु शुक्ला ने बताया कि एक मामले मे वादी ग्राम लंगडातर सरैया थाना गोसाईगंज जनपद अयोध्या के पुत्र को पुरानी रंजिश को लेकर मारने पीटने, भद्दी–भद्दी गालियां देने व जान से मारने की धमकी देने तथा धारदार हथियार(हसियां) से हाथ काट कर अलग कर छिपा देने के मामले में वांछित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान प्रकाश पुत्र स्व0 कुमारे,गौतम पुत्र रामवृक्ष व पिन्टू पुत्र प्रकाश

निवासीगण लंगड़ातर सरैया थाना गोशाईगंज जनपद अयोध्या को शनिवार को लंगड़ातर सरैया थाना गोसाईगंज जनपद अयोध्या से गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।गिरफ्तार किये गये आरोपियों की निशानदेही पर मजरूब का कटा हुआ बायां हाथ व घटना मे प्रयुक्त हसियाँ तथा मोटरसाईकिल बरामद किया गया। किनारे उपयोग को तथा घटना का खुलासा करने में उनके अलावा वरिष्ठ उप निरीक्षक शेषनाथ सिंह, उप निरीक्षक जितेंद्र यादव, उप निरीक्षक कमलेश कुमार, हेड कांस्टेबल अरविंद सरोज, कांस्टेबल प्रदीप चौहान सहित अन्य पुलिस कर्मियों की सराहनीय भूमिका रही।

अटल स्मृतियों में जीवंत, विचारों में अमर "पुण्यतिथि पर अर्पित की गई श्रद्धांजलि

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर जनप्रतिनिधियों और पार्टी पदाधिकारियों ने जिला पंचायत कार्यालय परिसर स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान उनके सार्वजनिक जीवन और राष्ट्र के प्रति योगदान को याद किया गया।इस दौरान विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति के ऐसे नेता थे, जिन्होंने अपने विचारों और कार्यशैली से अलग पहचान बनाई। उनके नेतृत्व में देश ने कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रगति की।पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि अटल जी का व्यक्तित्व व्यापक था। उन्होंने लोकतांत्रिक परंपराओं और संसदीय मर्यादाओं को हमेशा महत्व दिया। उनकी स्वीकार्यता सभी वर्गों में रही। जिला पंचायत प्रशासक रोली सिंह ने कहा कि अटल जी ने सार्वजनिक जीवन में शुचिता और मर्यादा के मानदंड स्थापित किए।महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने कहा कि अटल जी ने भाजपा को वैचारिक और संगठनात्मक मजबूती दी। कार्यकर्ताओं के लिए उनका जीवन अनुकरणीय है। जिलाध्यक्ष राधेश्याम त्यागी ने कहा कि अटल जी की कविताओं में राष्ट्रप्रेम और संवेदनशीलता दिखाई देती है। श्रद्धांजलि देने वालों में पूर्व जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, अभिषेक मिश्र, पिछडा वर्ग कल्याण आयोग के सदस्य वासुदेव मौर्या, जिला प्रशासक प्रतिनिधि आलोक सिंह रोहित, सहकारी बैंक के सभापित धर्मेन्द्र प्रताप सिंह टिल्लू, पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, परमानंद मिश्र, शशि प्रताप सिंह, अरविंद सिंह, रवि शर्मा, मंडल अध्यक्ष हेमंत जायसवाल, मुकेश तिवारी, रवि सोनकर, स्वप्निल श्रीवास्तव, प्रतिमा शुक्ला, शकुंतला गौतम, सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मणि महोत्सव में प्रभु राम से जुड़े भजन और कजरी पर झूमे श्रोता

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।श्रावण शुक्ल तृतीया पर मणि पर्वत पर आयोजित होने वाले परंपरागत मेले में रविवार को सांस्कृतिक संध्या के रूप में मणि महोत्सव का आयोजन किया गया।भजन, राष्ट्रगीत और कजरी की शानदार प्रस्तुतियों ने देर शाम तक माहौल को भक्ति और संगीत से सराबोर रखा।महोत्सव का उद्घाटन मुख्य अतिथि महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी और विशिष्ट अतिथि नगर आयुक्त जयेन्द्र कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत शास्त्रीय गायक पंडित सत्यप्रकाश मिश्र ने राष्ट्रीय ख्याति के गीत श्जहां डाल–डाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा, वह भारत देश है मेराश की प्रस्तुति से की। इसके बाद उन्होंने एक–एक कर भजन प्रस्तुत कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

गायक दीपक शुक्ल ने श्शंकर तेरी जटा से बहती है गंगधाराश भजन प्रस्तुत कर शिव भक्ति का रंग घोल दिया। वहीं बृजमोहन तिवारी ने अपनी सुमधुर आवाज में कजरी श्कैसे खेले जयबू सावन मां कजरियाश सुनाकर खूब तालियां बटोरीं। चंद्रशेखर तिवारी ने राम भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।कार्यक्रम में पार्षद विनय जायसवाल, चंदन सिंह, अनिकेत यादव, हरिश्चंद्र अग्रहरि, कार्यक्रम संयोजक भवानी प्रसाद त्रिपाठी, श्रीनिवास शास्त्री, मिथिला बिहारी दास, कथावाचक आचार्य ज्ञानचंद द्विवेदी, आदित्य दुबे, समर बहादुर सिंह, विजय सिंह, अवनीश दुबे और ओम प्रकाश दुबे सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

शान से लहराया महिला थाना परिसर में तिरंगा झंडा

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर महिला थाना अयोध्या परिसर में थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने तिरंगा फहराकर राष्ट्रध्वज को सलामी दी और पुलिसकर्मियों को संकल्प पत्र पढ़ाया।इस अवसर पर महिला उप

निरीक्षक सोनी, महिला उपनिरीक्षक श्वेता राठौड़ महिला उप निरीक्षक प्रिया सहित अन्य महिला पुलिसकर्मी मौजूद रहीं।

कावड़ यात्रियों की सुरक्षा को लेकर महिला उप निरीक्षक चेतना पाण्डेय ने श्रृंगीऋषि घाट पर संभाली व्यवस्था

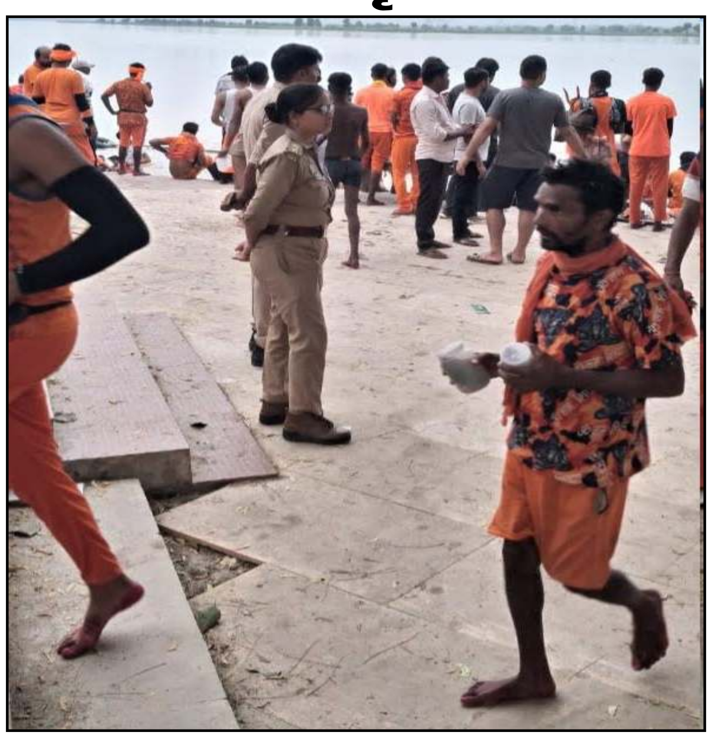

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।श्रावण मास में अयोध्या में देश के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालुओं एवं कांवड़ यात्रियों के पहुंचने का सिलसिला लगातार जारी है।श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए अयोध्या पुलिस सुरक्षा, यातायात एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर पूरी तरह सतर्क नजर आ रही है।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर,एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी एवं क्षेत्राधिकारी सदर प्रतीक कुमार के निर्देशन में गोसाईगंज पुलिस द्वारा श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुगम यातायात के लिए लगातार भ्रमणशील रहकर निगरानी की जा रही है।थानाध्यक्ष गोसाईगंज अभिमन्यु शुक्ला के नेतृत्व में महिला उप निरीक्षक चेतना पांडे ने आरक्षी रमेश एवं कुलदीप के साथ श्रृंगीऋषि घाट क्षेत्र में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।इस दौरान पुलिस टीम ने घाट एवं आसपास से गुजर रहे श्रद्धालुओं तथा कांवड़ यात्रियों से उनकी कुशलक्षेम पूछी और किसी प्रकार की परेशानी होने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने के लिए जागरूक किया।पुलिस की इस संवेदनशील पहल से श्रद्धालुओं में सुरक्षा का भाव देखने को मिला।जिसके चलते श्रद्धालुओं ने पुलिसकर्मियों के व्यवहार एवं सहयोग की सराहना की।

कैंट रेलवे स्टेशन पर जीआरपी व आरपीएफ कार्यालय पर मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

अयोध्या।स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर कैंट रेलवे स्टेशन पर जीआरपी और आरपीएफ कार्यालय पर भी तिरंगा झंडा फहराया गया।इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक जीआरपी कैंट रेलवे स्टेशन अनिल प्रकाश सिंह ने

तिरंगा झंडा फहराया। इस मौके पर उप निरीक्षक रामनारायण संजीव कुमार संजय अग्निहोत्री के अलावा हेड कांस्टेबल विकास सहित जीआरपी के सभी कर्मचारी शामिल रहे। वही आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक कैंट रेलवे स्टेशन हरीश कुमार शाही ने आरपीएफ अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन कार्यालय पर ध्वजारोहण कर देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन किया।इस मौके पर आरपीएफ महिला उप निरीक्षक रचना यादव सहित अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

महिला उप निरीक्षक प्रिया ने बालिकाओं व महिलाओ को जागरुक कर संदिग्ध लोगो से किया पूछताछ

अयोध्या। स्वतंत्रता दिवस पर शनिवार को 'एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर तथा मिशन शक्ति फेज 5 के नोडल प्रभारी व एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी आईपीएस के निर्देश पर सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी की देखरेख मे महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला के नेतृत्व में महिला उप निरीक्षक प्रिया ने पीआरडी कलावती व सायरा बानो के साथ मिशन शक्ति के तहत गुलाबबाड़ी सहित अन्य प्रमुख चौराहों पर जागरूकता अभियान चलाया।इस दौरान उन्होंने जहां एक तरफ महिलाओं तथा बालिकाओं को मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत जागरूक किया।वहीं गुलाबबाड़ी सहित प्रमुख चौराहों पर संदिग्ध अवस्था में दिखाई देने वाले लोगों से पूछताछ भी किया।इस मौके पर उन्होंने मिशन शक्ति अभियान फेज फाइव के तहत सुरक्षात्मक उपाय भी बताई।इस मौके पर उन्होंने महिलाओं तथा बालिकाओं को सुरक्षात्मक टिप्स की भी जानकारी देते हुए बताया कि जिससे कभी भी संकट के समय आप अपनी सुरक्षा कर सकती हैं।इस मौके पर उन्होंने महिलाओ व बालिकाओं से कहीं।उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा महिलाओं तथा बालिकाओं के लिए जहां एक तरफ उनके विकास को लेकर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ महिला सशक्तिकरण सुकन्या समृद्धि योजना सहित एक से बढ़कर एक कई महत्वपूर्ण योजनाएं चल रही हैं। वहीं महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी केंद्र व राज्य सरकार कई योजनाएं चल रही हैं।इस मौके पर उन्होंने वहां पर मौजूद बालिकाओं को पंपलेट व बैनर पोस्ट के माध्यम से जानकारी देते हुए कहा कि अगर आपको किसी भी प्रकार की कोई भी अप्रिय घटना का अंदेशा हो तो बिना झिझक अपने नजदीकी पुलिस कर्मियों, महिला थाना तथा अपने परिजनों को फोन पर बताये।इस मौके पर उन्होंने विधवा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जिसमे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या समृद्धि योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया।इसके अलावा उन्होंने उन्हें किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया।बताया कि यह सभी नंबर आप लोग हमेशा याद रखें। जब भी आपको किसी भी प्रकार की सहायता लेने की जरूरत हो तो आप इस नंबर पर फोन कर सकते हैं।

कस्तूरबा बालिका इंटर कॉलेज की छात्राओं की तबीयत बिगड़ी, मेडिकल कॉलेज में भर्ती

गोरखपुर, (संवाददाता)। सुबह राजकीय इंटर कॉलेज से तिरंगा यात्रा निकाली गई। इसमें करीब ढाई हजार बच्चे विभिन्न स्कूलों से शामिल हुए। यात्रा के बाद बच्चे अपने–अपने विद्यालय चले गए। इसी में राज की कस्तूरबा बालिका इंटर कॉलेज की छात्राएं भी शामिल थी। इन छात्राओं का समूह जैसे ही वापस अपने विद्यालय पहुंचा। बड़ी संख्या में छात्राएं बीमार हो गई। स्कूल प्रशासन ने छात्राओं को इमरजेंसी पहुंचाया। वहां पर छात्राओं का इलाज किया गया। सूचना पर कॉलेज प्रशासन में वार्ड ओपीडी समेत हर जगह से मेडिकल और पैरामेडिकल स्टाफ को

इमरजेंसी बुला लिया। विज्ञापन मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉ रजनी सीएमएस डॉक्टर क मिश्रा प्रभारी अधीक्षक डॉ अजीत पाल समेत करीब 50 डॉक्टर इमरजेंसी पहुंच गए। सभी ने छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर इलाज किया। 3:00 तक आधे से अधिक छात्राओं को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज कर दिया गया।

'पाली में 80 वां स्वतंत्रता दिवस अत्यंत हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव' 'पाली–(हरदोई)' नगर के सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कालेज सहित पाली में 80 वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर अत्यंत हर्षोल्लास और देश भक्ति का माहौल देखने को मिला। कालेज में स्वतंत्रता दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ से पूर्व कालेज के प्रबंधक उत्कर्ष मिश्रा सहित।

पैडलेगंज से देवरिया बाईपास तक सिक्सलेन पर लगा जाम, एक घटे तक फंसे वाहन

गोरखपुर, (संवाददाता)। पैडलेगंज से लेकर देवरिया बाईपास तक बृहस्पतिवार की शाम सिक्सलेन सड़क पर भीषण जाम लग गया। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगने से राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। चौराहे पर चारों तरफ से वाहनों के पहुंचने के कारण स्थिति और बिगड़ गई। जाम में फंसे लोगों को गंतव्य तक पहुंचने में सामान्य दिनों की अपेक्षा काफी अधिक समय लगा। सिक्सलेन पर जाम का असर टीपी नगर क्षेत्र तक भी दिखाई दिया। सिक्सलेन से उतरने के बाद टीपी नगर में वाहनों की लंबी कतार लग गई। सड़क पर यातायात का दबाव बढ़ने के कारण वाहन रेंगते रहे। इस दौरान दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी हुई। दरसअल, डिवाइडर पर कट बंद होने की वजह से वाहन चालकों को आने–जाने में दिक्कत हुई।

गोरखपुर मंडल की बालिका बॉक्सिंग टीम बनी उपविजेता

गोरखपुर, (संवाददाता)। वाराणसी के सिगरा स्टेडियम में आयोजित प्रदेश स्तरीय जूनियर बालिका बॉक्सिंग प्रतियोगिता में गोरखपुर मंडल की खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंडल को प्रदेश में उपविजेता का खिताब दिलाया। खिलाड़ियों ने विभिन्न भार वर्गों में पदक जीतकर गोरखपुर का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता के 46 किग्रा भार वर्ग में निशु सिंह ने स्वर्ण, 48 किग्रा में तेजस्वनी गुप्त ने रजत, 54 किग्रा में ममता ने स्वर्ण पदक जीता। 57 किग्रा में सरिता गोंड, 60 किग्रा में सपना कुशवाहा, 63 किग्रा में संजना सिंह, 66 किग्रा में वेदिका त्रिपाठी, 70

राष्ट्रपति पदक से अलंकृत एआरओ एसपी श्रीवास्तव को स्वतंत्रता दिवस समारोह पर एसएसपी डॉ ग्रोवर ने किया सम्मानित

अयोध्या। उत्तर प्रदेश पुलिस की रेडियो सेवा में तैनात सहायक रेडियो अधिकारी सूर्य प्रकाश श्रीवास्तव को पुलिस संचार व्यवस्था में उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय योगदान के लिए राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया गया है।स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शनिवार को पुलिस लाइन परिसर में आयोजित समारोह में अयोध्या जिले के एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने उन्हें सम्मानित कर उनकी सेवाओं की सराहना की।बताते चले कि सूर्य प्रकाश श्रीवास्तव को उनकी उल्लेखनीय सेवा के लिए वर्ष 2025 में राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई थी।वर्तमान में वह श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर, अयोध्या में एआरओ (सीओ) के पद पर तैनात होकर पुलिस संचार व्यवस्था को प्रभावी एवं सुचारु बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।पुलिस विभाग में रेडियो संचार कानून–व्यवस्था बनाए रखने, विभिन्न पुलिस इकाइयों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा आपात परिस्थितियों में त्वरित सूचना के आदान–प्रदान का महत्वपूर्ण माध्यम है।इस व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने में श्रीवास्तव की कार्यकुशलता और समर्पण को देखते हुए उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया।उनको यह सम्मान मिलने पर पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए श्री श्रीवास्तव को बधाई दी।वही अधिवक्ता अमन श्रीवास्तव सहित कई लोगों ने भी उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल उनके लिए बल्कि अयोध्या के लिए भी गौरव का विषय है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।